Roll No. ..: ..... Total No. of Pages – 03

B.A.M.S First Professional Main/Supplementary Batch (2021-22) Examination-2024

Subject	**Samhita Adhyayan -1**
Paper Code	AyUG-SA-1
Paper	Single
Time	03 Hours
Maximum Marks – 100	Minimum Marks – 50

Note – All questions are compulsory. Marks for each question are marked against it. Write answer of questions in sequence.

SECTION –A

Multiple Choice Questions

(बहु विकल्पीय प्रश्न) **20 x 01 = 20**

सर्वाधिक सही उत्तर का चयन करें।

1. चिकित्सा चतुष्पाद के अन्तर्गत शुचि गुण किसका है.–
   (A) रोगी (B) उपस्थाता
   (C) भिषक एवं उपस्थाता (D) भिषक

2. वाग्भट्ट के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त्त में किसे जागना चाहिये –
   (A) स्वस्थ व्यक्ति को (B) रोगी व्यक्ति को
   (C) सभी व्यक्तियों को (D) किसी को नही

3. किस ऋतु में तिक्त रस युक्त द्रव्यों से सिद्ध घृत का सेवन प्रशस्त है –
   (A) हेमन्त (B) शरद
   (C) वर्षा (D) बसन्त

4. शीत काल में संचित दोष का संशोधन किस ऋतु में करना चाहिये –
   (A) वर्षा (B) शरद
   (C) बसन्त (D) ग्रीष्म

5. आहार के आदि, मध्य एवं अन्त में क्रमशः किन रसों का सेवन करना चाहिये –
   (A) मधुर, अम्ल, कटु (B) कटु, अम्ल, मधुर
   (C) अम्ल, कटु, मधुर (D) मधुर, कटु, अम्ल

6. क्रमशः बलवान होते हैं–
   (A) विपाक, वीर्य, रस (B) वीर्य, रस, विपाक
   (C) वीर्य, विपाक, रस (D) रस, विपाक, वीर्य

7. ज्वरघ्न, कुष्ठघ्न एवं मेध्य रस होता है –
   (A) कषाय (B) मधुर
   (C) तिक्त (D) कटु

8. वाग्भट्ट के अनुसार शब्द असहिष्णुता किस धातु क्षय का लक्षण है –
   (A) रस (B) रक्त
   (C) शुक्र (D) मज्जा

9. ' **सर्वेषां रोगाणामेककारणम** ' किसे कहा गया है –
   (A) मंदाग्नि (B) वेगादीरण धारण

(C) दोष

(D) दोष, धातु, मल

10. ' स्रोतोरोधबलभ्रंशगौरवानिलमूढताः ' किसका लक्षण है –

(A) मेदोवृद्धि

(B) कफ प्रकोप

(C) पुरीष वेग धारण

(D) साम दोष

11. अतिस्थूल में हितकारी है –

(A) गुरु एवं अतर्पण

(B) गुरु एवं संतर्पण

(C) लघु एवं अतर्पण

(D) लघु एवं संतर्पण

12.' धर्मार्थकाममोक्षाणां..... **मूलमुत्तमम्** ' है –

(A) आयुर्वेद

(B) दीर्घायु

(C) हितायु

(D) आरोग्य

13. चरकानुसार अणु तैल नस्य का प्रशस्त काल है –

(A) प्रावृट् ऋतु

(B) बसन्त ऋतु

(C) शरद ऋतु

(D) तीनो ऋतुयें

14. अभ्यास द्वारा अपथ्य का सात्म्य होना कहलाता है–

(A) देश सात्म्य

(B) काल सात्म्य

(C) ओक सात्म्य

(D) क्रिया सात्म्य

15. पादाशिक क्रम से करते हैं–

(A) अहित त्याग

(B) हित सेवन

(C) हित सेवन – अहित त्याग

(D) संसर्जन क्रम

16. ' **अर्थविद्यायशोहानिमुग्रक्रोशमसंग्रहम्** 'किससे सम्बन्धित है –

(A) सद्वृत्त त्याग की हानि से

(B) ब्रह्मचर्य परित्याग से

(C) धारणीय वेग के अधारण से

(D) वैद्य द्वारा असाध्यरोग की चिकित्सा से

17. चिकित्सकीय दृष्टि से वायु के दारुण गुण द्वारा उत्पत्ति होती है –

(A) त्वचा में दारण

(B) अंगावयवों में कठिनता

(C) अंगावयवों में रुक्षता

(D) अंगावयवों में खरता

18. षोडश कला युक्त भेषज समुदाय के सन्बन्ध में सत्य कथन है –

(A) आत्रेय ने भेषज समुदाय पर शंका व्यक्त की है

(B) असाध्य रोगों की चिकित्सा हेतु भेषज समुदाय नही है

(C) भेषज समुदाय सदैव यश लाभ में कारण होता है

(D) भेषज समुदाय का चिकित्सा से विशेष सम्बन्ध नही है

19. दोषों के वृद्धि -- क्षयादि से भेद होते हैं–

(A) 03

(B) 62

(C) 63

(D) 60

20. रसों के संयोग बताये गये हैं –

(A) 06

(B) 57

(C) 63

(D) 62

SECTION – B

Short Answer Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

$8 \times 5 = 40$

21. रोगों की साध्यासाध्यता
22. अलसक एवं विसूचिका में अन्तर
23. चरकोक्त अधारणीय वेग
24. ओज क्षय – हेतु, लक्षण एवं चिकित्सा
25. त्रिदण्ड
26. वमन विरेचन द्रव्य – नाम एवं मुख्य प्रयोग
27. त्रय उपस्तम्भ
28. चरक संहिता के तिस्रैषणीय अध्याय में वर्णित त्रिक

SECTION – C

Long Answer Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

4 x 10 = 40

29. **सर्वदा सर्वभावानां सामान्यं वृद्धिकारणम्। ह्रासहेतुर्विशेषश्च प्रवृत्तिरुभयस्य तु ।।**
चरकोक्त श्लोक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिये।

30. संवत्सर का विभाजन करते हुये ऋतुचर्या का विस्तृत वर्णन कीजिये।

31. चरकोक्त चिकित्सा चतुष्पाद का वर्णन करते हुये वैद्य की प्रधानता एवं वैद्य वृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

32. वाग्भट्ट के अनुसार दिनचर्या का क्रमबद्ध वर्णन कीजिये।